University in News on 05 December 2021

JAGRAN CITY PAGE I

प्रयोगात्मक परीक्षाएं 10 और 11 को

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के एमएससी तृतीय सेमेस्टर फार्मास्यूटिकल केमेस्ट्री की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 10 व 11 दिसंबर को होंगी। रसायन शास्त्र विभाग के हेड प्रो. अरुण सेठी ने शनिवार को नोटिस जारी किया। यह परीक्षा सुबह 10 से शाम पांच बजे तक होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा से 30 मिनट पहले पहुंचना होगा। (जासं)

13 का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के 13 और विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट मिला है। अमेरिका की आइटी कंपनी ने अनुभा पाठक, अमन, आयुष को एसोसिएट रिक्रूटर पद पर 4.68 लाख व दूसरी कंपनी ने अमन सोनी, मानसी रानी, विकास मौर्य, मयंक, अभिषेक त्रिपाठी, अमन शर्मा का डिजाइन इंजीनियर, इनायत अली, अभिषेक कुमार गुप्ता, राहुल कुमार, विकास पांडे का नेटवर्क एनालिस्ट इंजीनियर पद पर तीन लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर चयन किया है। (जासं)

दो एडिशनल डीन रिसर्च बने

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में अब दो एडिशनल डीन रिसर्च भी बनाए गए हैं। इनमें जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के हेड प्रो. मुकुल श्रीवास्तव एवं बायोकेमेस्ट्री विभाग की डा. मीनल गर्ग शामिल हैं। (जासं)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू:नोडल केन्द्र बनने से पहले होगा सत्यापन

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध किए गए चार जिलों रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर व हरदाई में फरवरी में होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए नोडल केन्द्र बनाए जाएंगे। इन कॉलेजों को नोडल केन्द्र के रूप में स्वीकृति मिलेगी, उनका पहले लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन की रिपोर्ट के आधार पर कॉलेज को नोडल केन्द्र बनने की अनुमति मिलेगी।

बता दें कि इस सत्र से रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर व हरदाई के कॉलेजों को भी लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध किया गया है, जिसके बाद लखनऊ विवि से सम्बद्ध कॉलेजों की संख्या लगभग 540 हो गई है। फरवरी में लखनऊ विवि स्नातक व पीजी के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं कराएगा, जिसमें ये सभी कॉलेज शामिल होंगे। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए लखनऊ समेत अन्य चारों में जिलों में नोडल केन्द्र बनने हैं।

सतर्कता

- सत्यापन के बाद ही मिलेगी केन्द्र बनाने की अनुमति
- एक जिले में तीन से चार तक नोडल केन्द्र बनेंगे

35 हजार विद्यार्थियों की डिग्रियां घर भेजेगा एलयू

LUCKNOW (4 Dec)Ñ लखनऊ विश्वविद्यालय ने दीक्षा समारोह के बाद अब स्नातक व परास्नातक अंतिम वर्ष के उत्तीर्ण विद्यार्थियों की डिग्रियां घर भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. करीब 35 हजार विद्यार्थियों से घर का पता पहले ही लिया जा चुका है. डिग्रियां छपने का काम तेजी से चल रहा है. अगले सप्ताह से डिग्री घर भेजने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी. सबसे पहले पीजी पाठ्यक्रमों से इसकी शुरुआत करने की तैयारी है. दरअसल, राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय को निर्देश दिए थे कि विद्यार्थियों की डिग्रियां घर भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए. इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के घर का पता जुटा लिया.

अगले छपते तक घर भेजने की प्रक्रिया हो जायेगी शुरू

डाक विभाग से हो चुका है अनुबंध

परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि डिग्रियां घर के पते पर भेजने के लिए डाक विभाग ने अनुबंध किया जा चुका है. त्रुटियां न हों, प्रूफ देखा जा रहा है. डिग्रियों के पैकेट तैयार कराकर डाक विभाग को उपलब्ध कराया जाएगा. यह प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू करने की तैयारी है. सबसे पहले परास्नातक पाठ्यक्रमों की डिग्रियां भेजने का प्लान है. परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि डिग्रियां को घर भेजने की व्यवस्था सिर्फ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए होगी.

i-NEXT PAGE IV

एलयू में खुलेगा इंटरनेशनल ऑर्बिटेशन सेंटर

मध्यस्थता से होगा विवादों का निपटारा

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (4 Dec): नए साल पर एलयू में इंटरनेशनल आर्बिटेशन सेंटर खोलने की तैयारी है. इसको लेकर यूनिवर्सिटी की लॉ फैकल्टी ने इंग्लैंड की फर्म ट्वीन वुड लॉ प्रैक्टिस से समन्वय स्थापित किया है. फर्म ने आर्बिटेशन सेंटर को लेकर प्रपोजल उपलब्ध करा भी दिए है. सेंटर में क्राइम को छोड़ देश विदेश के अन्य सभी मामलों का निस्तारण मध्यस्थता के जरिये किया जाएगा.

हाईकोर्ट के रि. जजहोंगे शामिल

यूनिवर्सिटी में प्रस्तावित इंटरनेशनल आर्बिटेशन सेंटर उत्तर भारत में किसी इंस्टीट्यूशन में खुलने वाला पहला सेंटर होगा. पहले यूनिवर्सिटी में नेशनल आर्बिटेशन सेंटर खोलने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में इसे इंटरनेशनल कर दिया गया. इस आर्बिटेशन सेंटर में देश के मामले ही नहीं अपितु विदेशों के मामले भी निपटाए जाएंगे. इस सेंटर में मामलों की सुनवाई के लिए हाईकोर्ट के 6 रिटायर जज, मैनेजमेंट के डीन, संबंधित क्षेत्र के एक्सपर्ट शामिल होंगे.

यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल आर्बिटेशन सेंटर खोलने के लिए इंग्लैंड की फर्म के साथ कार्य चल रहा है. जल्द ही वीसी से अप्रूवल लेकर कार्य शुरू कर दिया जाएगा.
- प्रो. सीपी सिंह, डीन, लॉ फैकल्टी

इंग्लैंड की फर्म द्वारा तैयार प्रस्ताव के आधार पर खुलेगा सेंटर

आर्बिटेशन सेंटर के एडमिनिस्ट्रेटिव कमेटी में यह होंगे शामिल

आर्बिटेशन सेंटर के एडमिनिस्ट्रेटिव कमेटी में वीसी संरक्षक होंगे. डीन फैकल्टी लॉ इसके अध्यक्ष, फर्म के प्रोपराइटर उपाध्यक्ष, ला के सीनियर प्रोफेसर उपाध्यक्ष रजिस्ट्रार सचिव ला फैकल्टी के सभी रिटायर डीन व विभागाध्यक्ष और कामर्स, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, अर्थशास्त्र के डीन मेम्बर की भूमिका में होंगे.

आर्बिटेशन सेंटर का यह होगा कार्य

लखनऊ यूनिवर्सिटी में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र सभी निवेशकों को अपने विवादों को कोर्ट के बाहर जल्दी निपटाने में मदद करेगा. इससे निवेशकों के बीच दोस्ताना माहौल तैयार करने में भी मदद मिलेगी. शिक्षकों का कहना है कि तेजी से बढ़ते औद्योगिक और व्यापार केंद्र में मध्यस्थता केंद्र स्थापित करना बड़ी उपलब्धि है. शिक्षकों का कहना है कि यह कास्टलेश होगा और क्राइम को छोड़ सभी मामले की सुनवाई हो सकेगी. बता दें कि विश्व में पहला इंटरनेशनल आर्बिटेशन सेंटर वर्ष 1926 में शुरू हुआ था. इस समय कंपनियां आर्बिटेशन के लिए सिंगापुर, दुबई पर निर्भर है

मिलेगा इंटर्नशिप का मौका

नई राष्ट्रीय शिक्षा शिक्षा नीति 2020 के तहत लखनऊ यूनिवर्सिटी से एलएलबी करने वाले स्टूडेंट्स के लिए काम की खबर है. यूनिवर्सिटी से लॉ करने वाले स्टूडेंट्स को अब उनके जिले में ही इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा. इसके लिए यूनिवर्सिटी स्तर पर तैयारी शुरू हो गई है. एलएलबी की पढ़ाई करने वाले छात्रों को पढ़ाई पूरी करने के बाद एक माह की इंटर्नशिप करनी होती है. ऐसे में इंटर्नशिप के लिए छात्रों को भटकना पड़ता है. दिक्कतों को देखते हुए लखनऊ यूनिवर्सिटी के लॉ संकाय ने एलएलबी की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स को इंटर्नशिप का अवसर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है. यह इंटर्नशिप एक माह की होगी और स्टूडेंट्स अपने जिले में ही प्राप्त कर सकेंगे. इसके लिए लॉ फैकल्टी की तरफ से बार काउंसिल को लेटर भेजा जाएगा, जिससे बार काउंसिल की तरफ से जिलों में पैनल उपलब्ध हो सके.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : 13 छात्रों का चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के 13 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से दो कंपनियों ने चयन किया है। एक व दो दिसंबर को आयोजित कैंपस प्लेसमेंट में अमेरिका की आईटी स्टाफिंग कंपनी आर्टेक ने तीन छात्रों अनुभा पाठक, अमन कुमार और आयुष शंखवार को एसोसिएट रिक्रूटर के पद पर 4.68 लाख रुपये सालाना पैकेज पर चयन किया है। वहीं, जीनस ग्रुप ने 10 छात्रों अमन कुमार सोनी, मानसी रानी, विकास मौर्य, मयंक चौधरी, अभिषेक त्रिपाठी, अमन शर्मा का डिजाइन इंजीनियर के पद पर और मोहम्मद इनायत अली, अभिषेक कुमार गुप्ता, राहुल कुमार, विकास देव पांडे का नेटवर्क एनालिस्ट इंजीनियर के पद पर तीन लाख रुपये सालाना के पैकेज पर चयन किया है। कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन डॉ. हिमांशु पांडेय ने किया था और संचालन पवन राजावत, प्रशांत सिंह और गौरव श्रीवास्तव ने किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

शिक्षा के साथ रोजगार पाकर खुश हुए छात्र

इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में दो कम्पनियों में 13 छात्रों का चयन हुआ। अमेरिका की सबसे बड़ी महिला-स्वामित्व वाली आईटी स्टाफिंग कंपनी आर्टेक में तीन विद्यार्थी अनुभा पाठक, अमन कुमार और आयुष शंखवार का एसोसिएट रिक्रूटर के पद पर 4.68 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर चयन हुआ। साथ ही जीनस ग्रुप में 10 छात्रों अमन कुमार सोनी, मानसी रानी, विकास मौर्य, मयंक चौधरी, अभिषेक त्रिपाठी, अमन शर्मा का डिजाइन इंजीनियर के पद पर और मो. इनायत अली, अभिषेक गुप्ता, राहुल कुमार, विकास देव पांडे का नेटवर्क एनालिस्ट इंजीनियर के पद पर 3 लाख के पैकेज पर चयन हुआ। कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन डॉ हिमांशु पाण्डेय और संचालन इंजी. पवन राजावत, इंजी प्रशांत सिंह और इंजी गौरव श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

पर्यावरण को नष्ट कर रहा जनसंख्या विस्फोट

समाज कार्य विभाग की ओर से आयोजित हो रहे उन्मुखीकरण कार्यक्रम में चौथे दिन कई सत्रों का आयोजन किया गया। पहले सत्र का विषय कानूनी साक्षरता था जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. राकेश शंकर पूर्व डीआईजी ने आईपीसी, सीआरपीसी, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और पीआईएल सहित विभिन्न कानूनी ढांचे के बारे में बताया। वहीं दूसरे सत्र की मुख्य वक्ता डॉ. संध्या यादव थीं, जिन्होंने जनसंख्या योजना और पर्यावरण के मुद्दों पर बात की। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे जनसंख्या विस्फोट पर्यावरण को नष्ट कर रहा है। उन्होंने समाज के जमीनी स्तर पर परिवार नियोजन के बारे में जागरूकता पैदा करने पर जोर दिया।

AMRIT VICHAR PAGE 5

प्रेक्टिकल 10 व 11 को

लखनऊ विश्वविद्यालय में एमएससी तृतीय सेमेस्टर के फार्मासिटिकल केमिस्ट्री प्रैक्टिकल 10 व 11 दिसम्बर को होंगे। रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण सेठी ने यह जानकारी दी। प्रैक्टिकल का समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक है। इस दौरान छात्रो को कोविड प्रोटोकाल का पालन करना होगा।